Report on

Comprehensive Dialogue on Rights and Democracy

Govt. Tulsi College Anuppur,M.P.

(Google Meet)

Date:10/02/2023

Timing: 07:00 pm to 08:46 pm

Meeting info-https://meet.google.com/ofs-fncm-wum

WhatsAppGroup:https://chat.whatsapp.com/I5iYGO5IKsI5BaPqRGJFro

Video Link-https://youtu.be/XjJCan_6GWM

Jointly Organized by Department of Economics, History& Sociology

Sponsored by:

Madhya Pradesh Higher Education Quality Improvement Project (MPHEQIP), World Bank Project

Resource Person's:(1) **Dr. Kamal NayanChoubey**, Dyal Singh College, Delhi University, New Delhi (2) **Dr. TarushikhaSarvesh**, Advanced Center for Women's Studies, Aligarh Muslim University, Aligarh, U.P.

Concluding Remarks- **PeeyushTripathi**, DN(PG) College, Bulandsahr,U.P.

Convener- **Dr. AmitBhushanDwivedi**, GovtTulsi College Anuppur,M.P.

Format- Banner/Poster

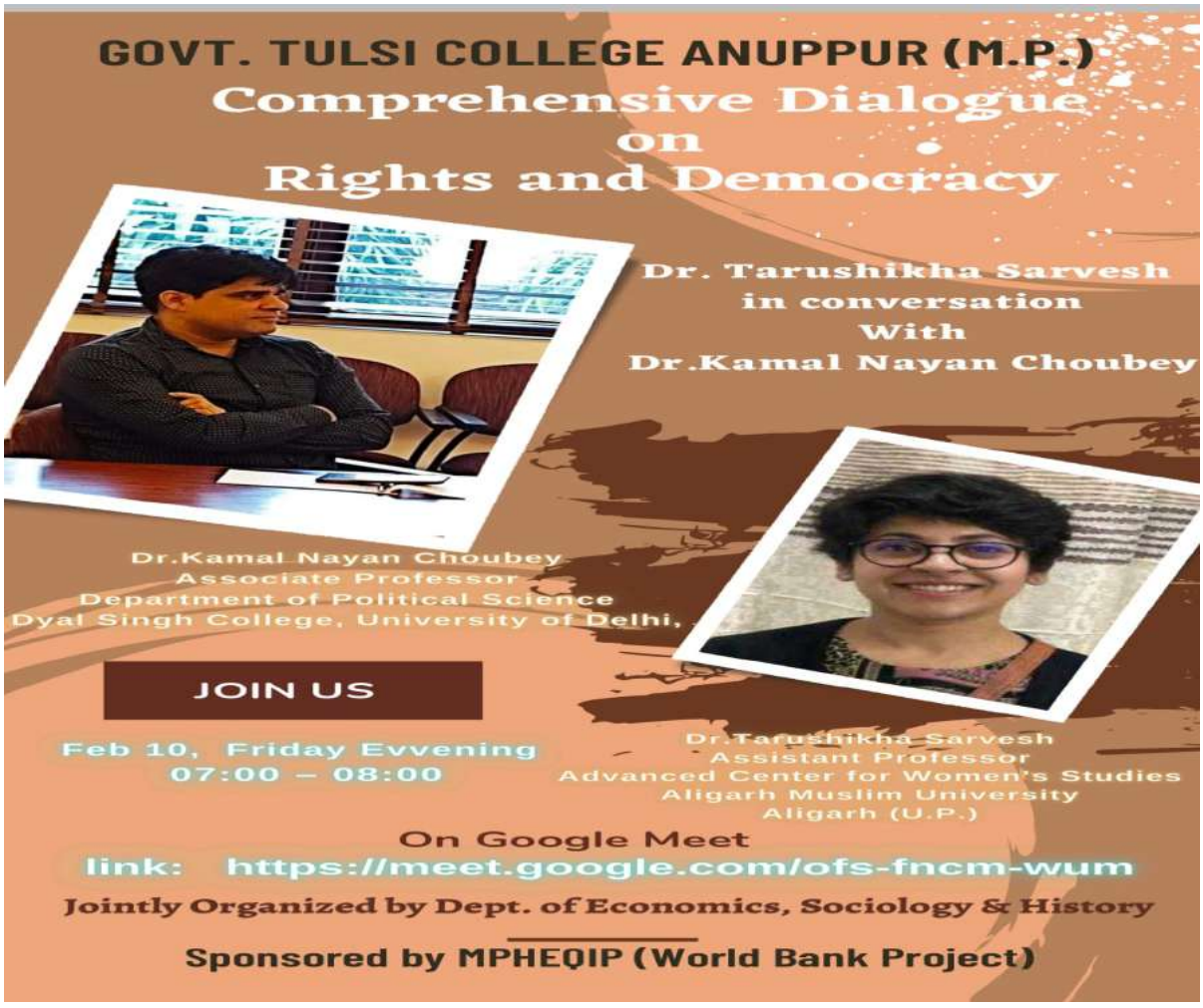

Banner/Poster at College Wall

Screenshots during Google Meet

Screenshots during Google Meet

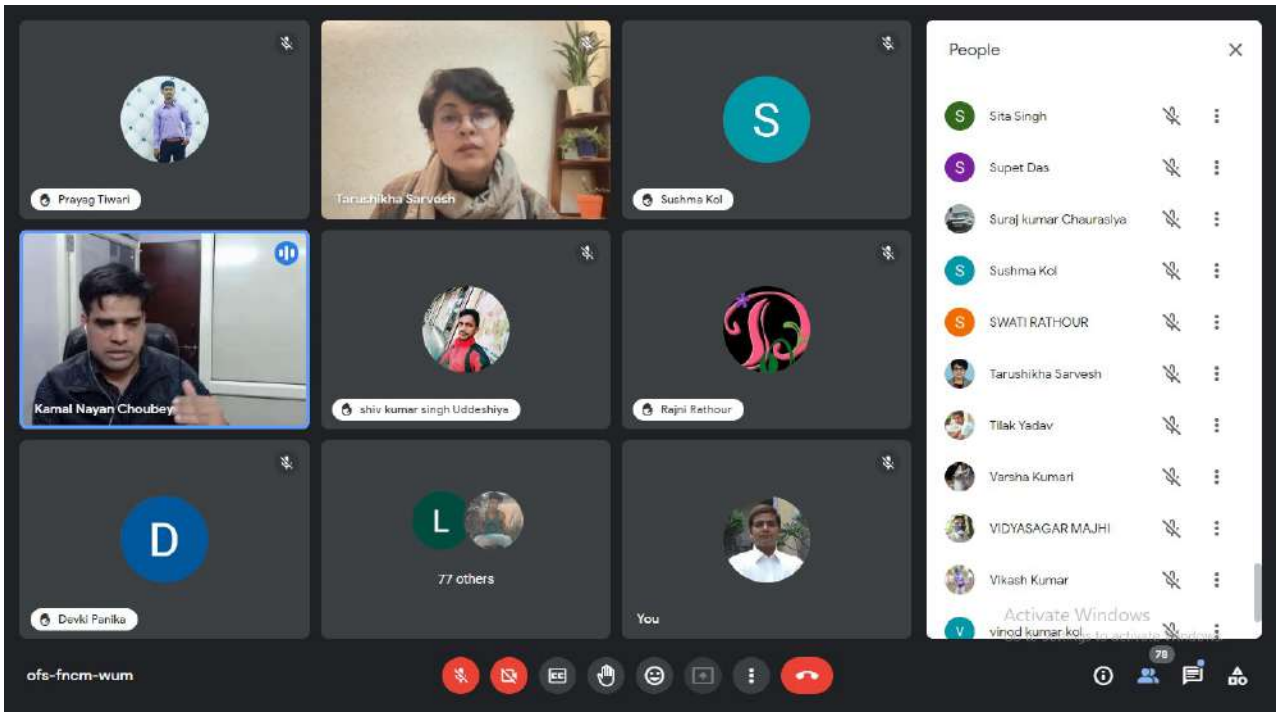

Format Certificate:

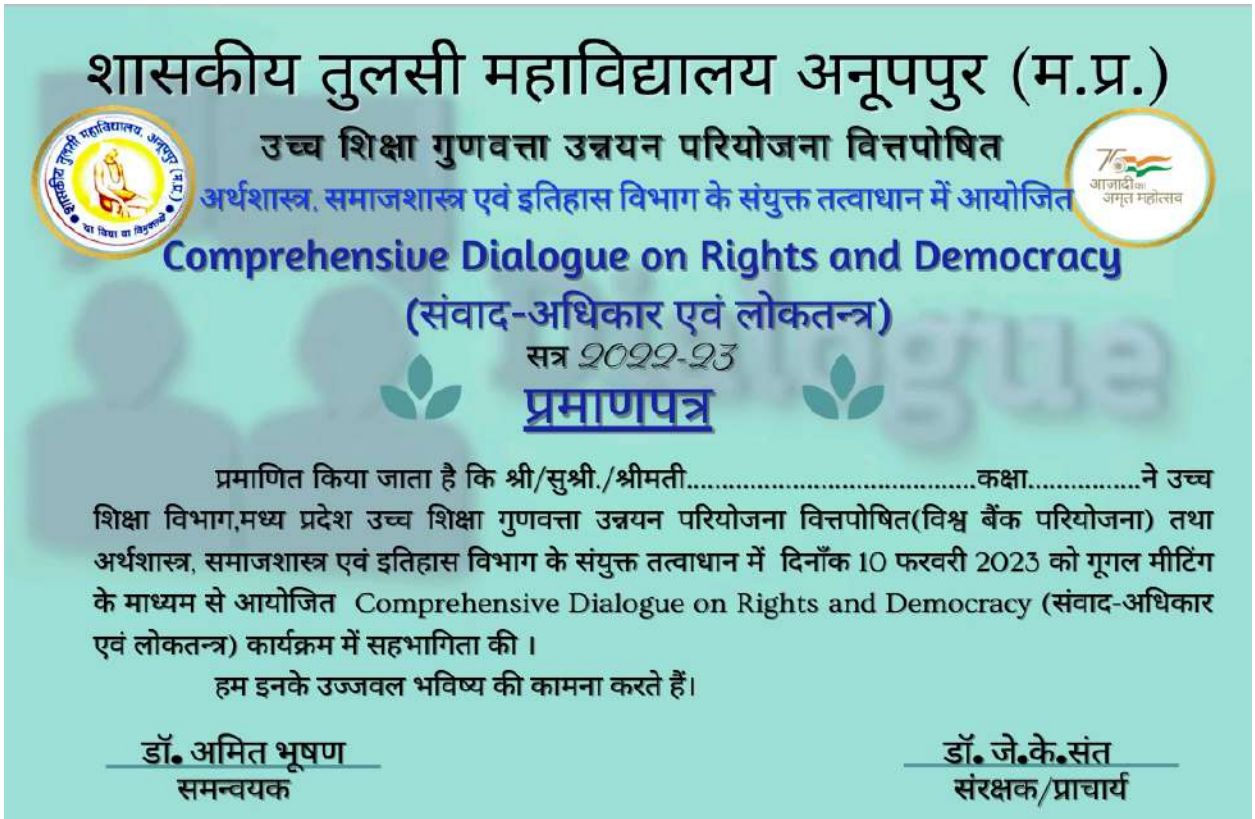

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र.)

उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना वित्तपोषित

अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित

Comprehensive Dialogue on Rights and Democracy

(संवाद-अधिकार एवं लोकतन्त्र)

सत्र 2022-23

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री./श्रीमती.....कक्षा.....ने उच्च शिक्षा विभाग,मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना वित्तपोषित(विश्व बैंक परियोजना) तथा अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिनाँक 10 फरवरी 2023 को गूगल मीटिंग के माध्यम से आयोजित Comprehensive Dialogue on Rights and Democracy (संवाद-अधिकार एवं लोकतन्त्र) कार्यक्रम में सहभागिता की ।

हम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

डॉ॰ अमित भूषण
समन्वयक

डॉ॰ जे.के.संत
संरक्षक/प्राचार्य

MediaCoverage:

भूमिका भास्कर | Digital Edition
सोमवार, 13 फरवरी 2023

तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में ऑनलाइन संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

भूमिका संवाददाता, अनूपपुर

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के अर्थशास्त्र, इतिहास तथा समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अधिकार व लोकतंत्र विषय पर एक ऑनलाइन संवाद का आयोजन 10 फरवरी 2023 को किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारभ प्राचार्य डॉ. जे. के. संत के द्वारा किया गया। डॉ. संत ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह की चर्चाओं से युवा शोधवेत्ता लाभान्वित होंगे।संवाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. कमल नयन चौबे ने कहा कि लोकतंत्र को उसकी संस्थाओं तथा लक्ष्यों के आधार पर समझ जा सकता है। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संस्थाओं में थोड़े बहुत राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद संस्थागत मजबूती बनी हुई है यद्यपि इस पर सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की प्रवृत्ति बढ़ी है; परंतु, मूल्यों की प्राप्ति के स्तर पर अभी यह बात नहीं दिखाई देती। उन्होंने आगे कहा कि

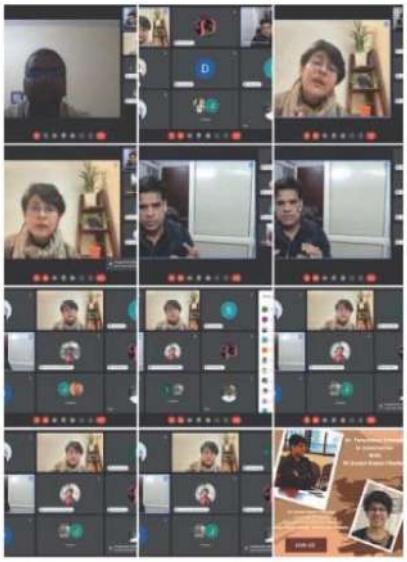

पहचान या अस्मिता की राजनीति कई बार व्यापक लक्ष्यों को पीछे रखकर छोटे-मोटे लाभ लेकर संतुष्ट हो जाती है। अलीगढ़ मुस्लिम विवि की डॉ तरुशिखा सर्वेश ने कहा कि समानता एकरूपता नहीं है और लोकतंत्र में भिन्नताओं का सम्मान करना चाहिए। डी एन कालेज गुलावठी बुलंदशहर से पीयूष त्रिपाठी ने संवाद का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि लोकतंत्र, संस्थाओं की जवाबदेही तथा समावेशन की प्रक्रिया है। लोकतंत्र के स्तर को मापने के लिए यह देखना होगा कि क्या अंतिम व्यक्ति ऊपर तक अपनी आवाज पहुंचा सकता है और प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सकता है।

इसके पूर्व तुलसी महाविद्यालय की प्रो. प्रीति वैश्य ने अतिथियों का स्वागत किया,आगरा कॉलेज आगरा के डॉ अनूप सिंह ने वक्ताओं का परिचय दिया तथा कार्यक्रम के अंत में इस कार्यक्रम की सह-संयोजक प्रो. पूनम धांडे ने वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। तुलसी महाविद्यालय की प्रो. प्रीति वैश्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संयोजक डॉ अमित भूषण द्विवेदी ने कहा कि परिचर्चा से लोकतंत्र के बारे में हमारी समझ का विस्तार हुआ है। सह-संयोजन प्रो. विनोद कुमार कोल कर रहे थे। इस मौके पर महाविद्यालय के आयोजन समिति के पदाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के शोध छात्र एवं फैकल्टी जन उपस्थित रहें।

संयुक्त रूप से अधिकार व लोकतंत्र विषय पर ऑनलाइन संवाद का आयोजन संपन्न

क्रांतिदूत संवाददाता
अनूपपुर

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के अर्थशास्त्र, इतिहास तथा समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अधिकार व लोकतंत्र विषय पर एक ऑनलाइन संवाद का आयोजन किया गया। जहां तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के प्राचार्य डॉ. जे.के.संत ने कहा कि इस तरह की चचाओं से युवा शोधवेत्ता लाभान्वित होंगे। संवाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. कमल नयन चौबे ने कहा कि लोकतंत्र को उसकी संस्थाओं तथा लक्ष्यों के आधार पर समझ जा सकता है। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संस्थाओं में थोड़े बहुत राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद संस्थागत मजबूती बनी हुई है यद्यपि इस पर सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की प्रवृत्ति बढ़ी है; परंतु, मूल्यों की प्राप्ति के स्तर पर अभी यह बात नहीं दिखाई देती। उन्होंने आगे कहा कि पहचान या अस्मिता की राजनीति कई बार व्यापक लक्ष्यों को पीछे रखकर छोटे-मोटे लाभ लेकर संतुष्ट हो जाती है। लोकलुभावन वाद से सत्ता के प्रति सवाल पूछने और सरकार की जवाबदेही में कमी आई है और लोगों की आज्ञा पालन की प्रवृत्ति बढ़ी है जो स्वस्थ लोकतंत्र के विकास के लिए अच्छा संकेत नहीं है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की डॉ तरुशिखा सर्वेश ने कहा कि समानता एकरूपता नहीं है और लोकतंत्र में भिन्नताओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने राज्य में उभरती प्रवृत्ति का संकेत करते हुए कहा कि राज्य का दायरा सुरक्षा के संदर्भ में बढ़ रहा है; परंतु, निजी जीवन तथा स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होता है तथा तानाशाही व निरंकुश संस्थाओं की स्थापना की मांग बढ़ने लगती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सिविल सोसाइटी को आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। डी एन महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर से पीयूष त्रिपाठी ने संवाद का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि लोकतंत्र, संस्थाओं की जवाबदेही तथा समावेशन की प्रक्रिया है। लोकतंत्र के स्तर को मापने के लिए यह देखना होगा कि क्या अंतिम व्यक्ति ऊपर तक अपनी आवाज पहुंचा सकता है और प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सकता है, इसके पूर्व प्रीति वैश्य ने अतिथियों का स्वागत किया, आगरा कॉलेज आगरा के डॉ0 अनूप सिंह ने वक्ताओं का परिचय दिया तथा कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक पूनम धांडे ने वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। तुलसी महाविद्यालय की प्रीति वैश्य नेधन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अमित भूषण द्विवेदी ने कहा कि परिचर्चा से लोकतंत्र के बारे में हमारी समझ का विस्तार हुआ है। इस कार्यक्रम का सह-संयोजन विनोद कुमार कोल कर रहे थे। इस मौके पर महाविद्यालय के आयोजन समिति के पदाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के शोध छात्र एवं फैकल्टी जन उपस्थित रहें।

अधिकार व लोकतंत्र विषय पर ऑनलाइन संवाद कार्यक्रम सम्पन्न, तुलसी महाविद्यालय द्वारा किया गया आयोजन

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के अर्थशास्त्र, इतिहास तथा समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अधिकार व लोकतंत्र विषय पर एक ऑनलाइन संवाद का आयोजन 10 फरवरी 2023 को किया गया।

छाती न्यूज, अनूपपुर

इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. जे. के. संत के द्वारा किया गया। डॉ. संत ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह की चर्चाओं से युवा शोधवेत्ता लाभान्वित होंगे।संवाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. कमल नयन चौबे ने कहा कि लोकतंत्र को उसकी संस्थाओं तथा लक्ष्यों के आधार पर समझ जा सकता है। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संस्थाओं में थोड़े बहुत राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद संस्थागत मजबूती बनी हुई है यद्यपि इस पर सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की प्रवृत्ति बढ़ी है; परंतु, मूल्यों की प्राप्ति के स्तर पर अभी यह बात नहीं दिखाई देती। उन्होंने आगे कहा कि पहचान या अस्मिता की राजनीति कई बार व्यापक लक्ष्यों को पीछे रखकर छोटे-मोटे लाभ लेकर संतुष्ट हो जाती है। लोकलुभावन वाद से सत्ता के प्रति सवाल पूछने और सरकार की जवाबदेही में कमी आई है और लोगों की आज्ञा पालन की प्रवृत्ति बढ़ी है जो स्वस्थ लोकतंत्र के विकास के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की डॉ तरुशिखा सर्वेश ने कहा कि समानता एकरूपता नहीं है और लोकतंत्र में भिन्नताओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने राज्य में उभरती प्रवृत्ति का संकेत करते हुए कहा कि राज्य का दायरा सुरक्षा के संदर्भ में बढ़ रहा है; परंतु, निजी जीवन तथा स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होता है तथा तानाशाही व निरंकुश संस्थाओं की स्थापना की मांग बढ़ने लगती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सिविल सोसाइटी को आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

डी एन महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर से पीयूष त्रिपाठी ने संवाद का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि लोकतंत्र, संस्थाओं की जवाबदेही तथा समावेशन की प्रक्रिया है। लोकतंत्र के स्तर को मापने के लिए यह देखना होगा कि क्या अंतिम व्यक्ति ऊपर तक अपनी आवाज पहुंचा सकता है और प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सकता है। इसके पूर्व तुलसी महाविद्यालय की प्रो. प्रीति वैश्य ने अतिथियों का स्वागत किया,आगरा कॉलेज आगरा के डॉ अनूप सिंह ने वक्ताओं का परिचय दिया तथा कार्यक्रम के अंत में इस कार्यक्रम की सह-संयोजक प्रो. पूनम धांडे ने वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।तुलसी महाविद्यालय की प्रो. प्रीति वैश्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अमित भूषण द्विवेदी ने कहा कि परिचर्चा से लोकतंत्र के बारे में हमारी समझ का विस्तार हुआ है।इस कार्यक्रम का सह-संयोजन प्रो. विनोद कुमार कोल कर रहे थे। इस मौके पर महाविद्यालय के आयोजन समिति के पदाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के शोध छात्र एवं फैकल्टी जन उपस्थित रहें।

अधिकार व लोकतंत्र विषय पर ऑनलाइन संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

अनूपपुर। शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के अर्थशास्त्र, इतिहास तथा समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अधिकार व लोकतंत्र विषय पर एक ऑनलाइन संवाद का आयोजन 10 फरवरी को किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. जे. के. संत के द्वारा किया गया। डॉ. संत ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह की चर्चाओं से युवा शोधवेत्ता लाभान्वित होंगे।संवाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. कमल नयन चौबे ने कहा कि लोकतंत्र को उसकी संस्थाओं तथा लक्ष्यों के आधार पर समझ जा सकता है। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संस्थाओं में थोड़े बहुत राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद संस्थागत मजबूती बनी हुई है यद्यपि इस पर सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की प्रवृत्ति बढ़ी है; परंतु, मूल्यों की प्राप्ति के स्तर पर अभी यह बात नहीं दिखाई देती। उन्होंने आगे कहा कि पहचान या अस्मिता की राजनीति कई बार व्यापक लक्ष्यों को पीछे रखकर छोटे-मोटे लाभ लेकर संतुष्ट हो जाती है। लोकलुभावन वाद से सत्ता के प्रति सवाल पूछने और सरकार की जवाबदेही में कमी आई है और लोगों की आज्ञा पालन की प्रवृत्ति बढ़ी है जो स्वस्थ लोकतंत्र के विकास के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

Media Coverage in Digital Edition:

1. https://koyalanchalnews.in/?p=6878
2. http://anchaldhara.blogspot.com/2023/02/blog-post_12.html

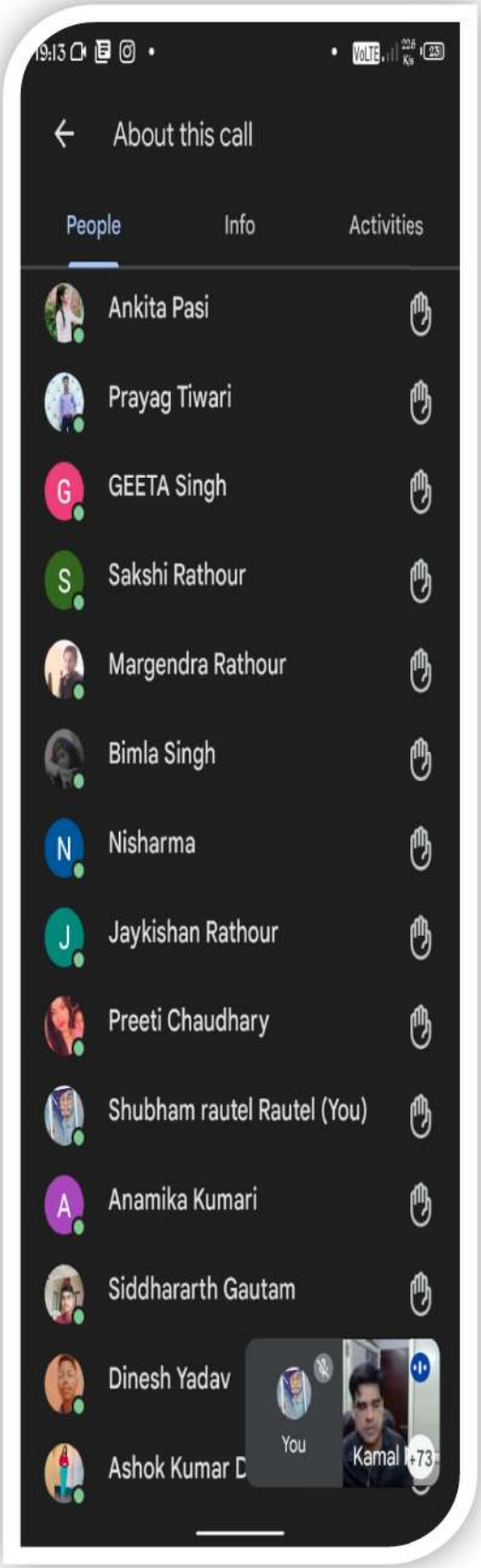
About this call
People
Info
Activities
Ankita Pasi
Prayag Tiwari
GEETA Singh
Sakshi Rathour
Margendra Rathour
Bimla Singh
Nisharma
Jaykishan Rathour
Preeti Chaudhary
Shubham rautel Rautel (You)
Anamika Kumari
Siddhararth Gautam
Dinesh Yadav
Ashok Kumar D
You
Kamal
+73

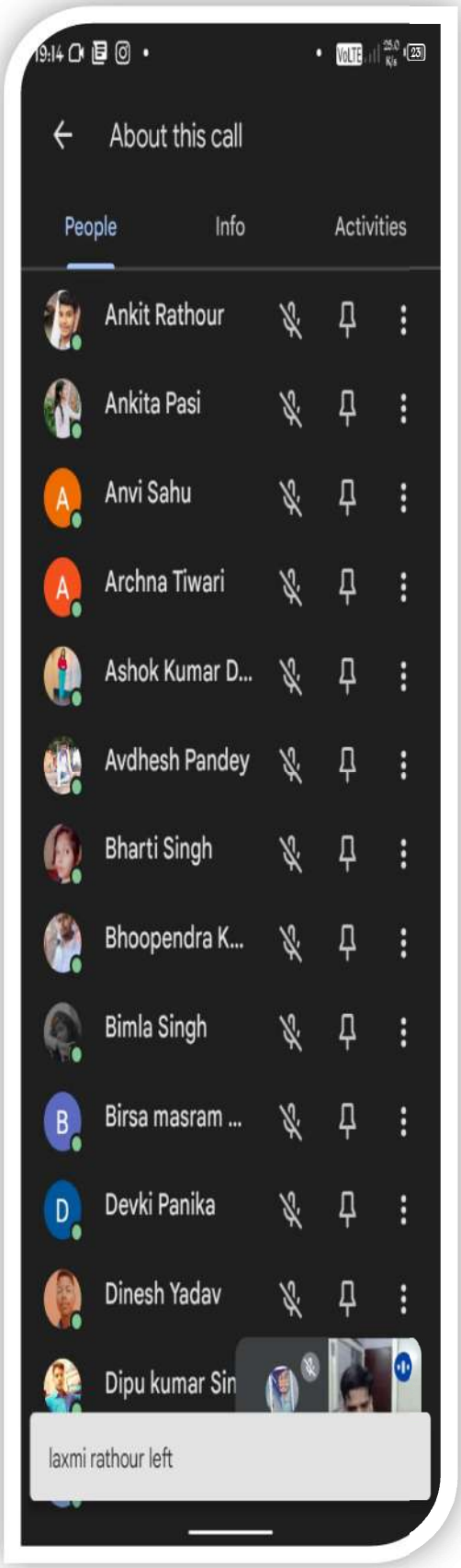
About this call
People
Info
Activities
Ankit Rathour
Ankita Pasi
Anvi Sahu
Archna Tiwari
Ashok Kumar D...
Avdhesh Pandey
Bharti Singh
Bhoopendra K...
Bimla Singh
Birsa masram ...
Devki Panika
Dinesh Yadav
Dipu kumar Sin
laxmi rathour left

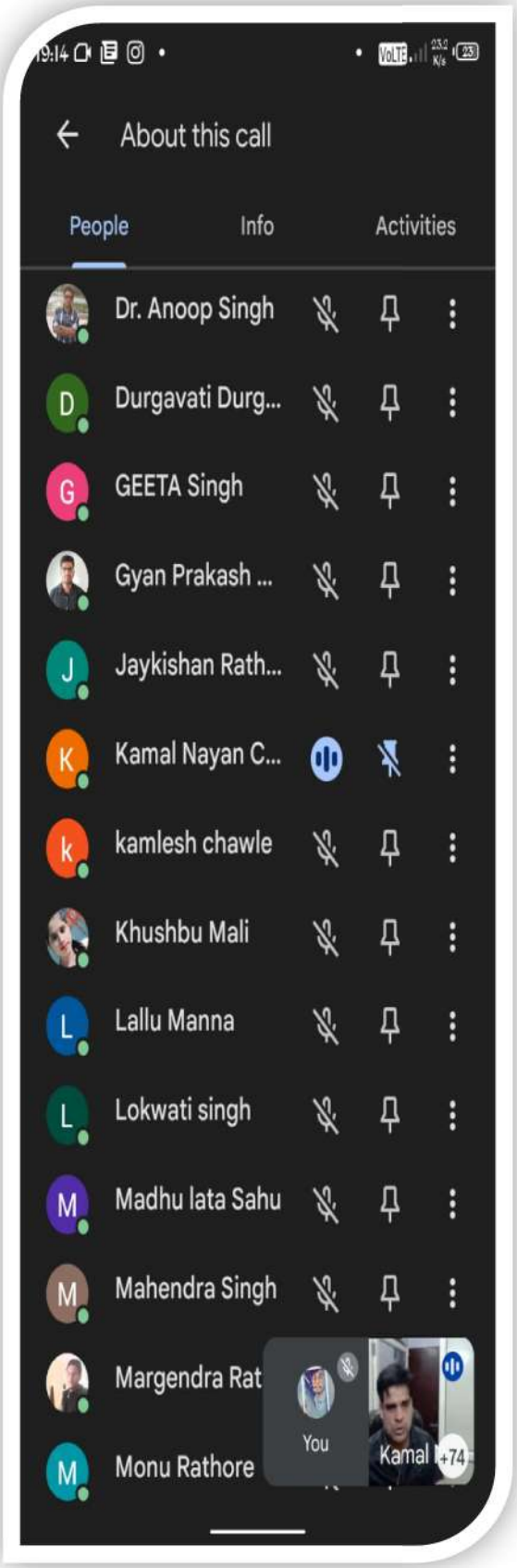
About this call
People
Info
Activities
Dr. Anoop Singh
Durgavati Durg...
GEETA Singh
Gyan Prakash ...
Jaykishan Rath...
Kamal Nayan C...
kamlesh chawle
Khushbu Mali
Lallu Manna
Lokwati singh
Madhu lata Sahu
Mahendra Singh
Margendra Rat
Monu Rathore
You
Kamal
+74

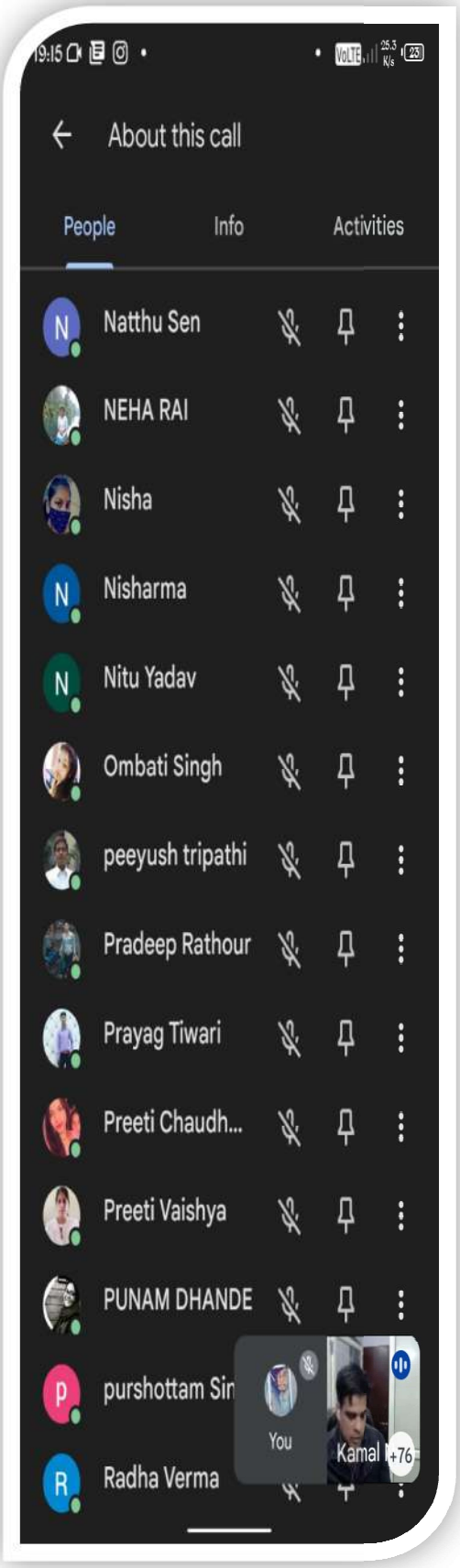
About this call
People
Info
Activities
Natthu Sen
NEHA RAI
Nisha
Nisharma
Nitu Yadav
Ombati Singh
peeyush tripathi
Pradeep Rathour
Prayag Tiwari
Preeti Chaudh...
Preeti Vaishya
PUNAM DHANDE
purshottam Sin
Radha Verma
You
Kamal
+76

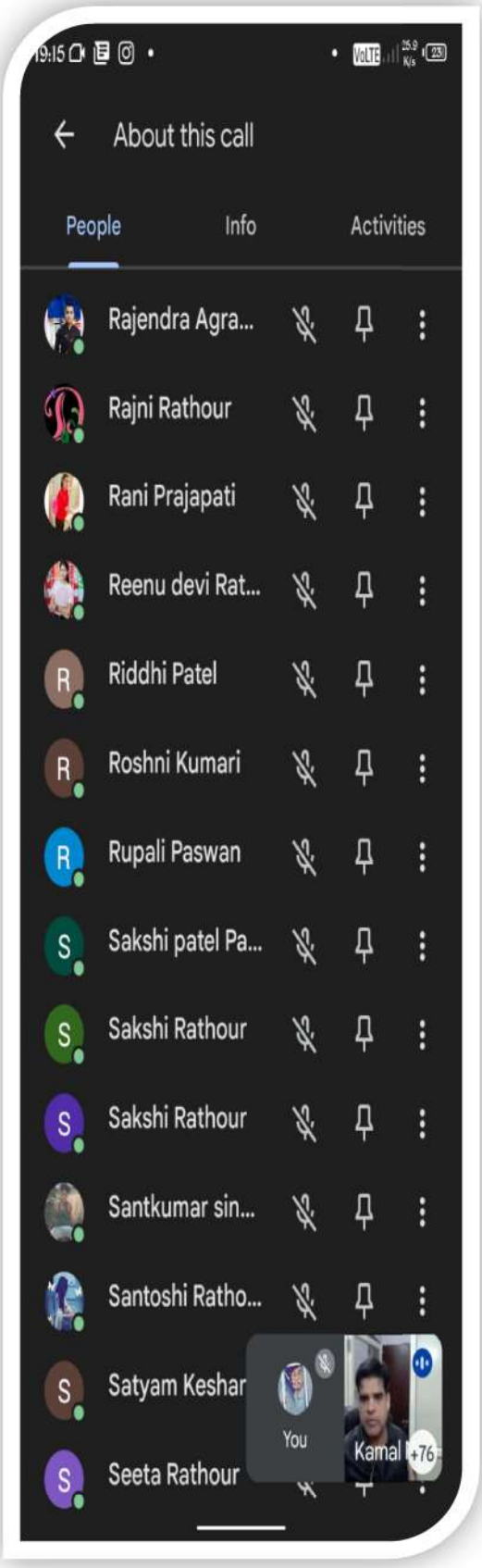
About this call
People
Info
Activities
Rajendra Agra...
Rajni Rathour
Rani Prajapati
Reenu devi Rat...
Riddhi Patel
Roshni Kumari
Rupali Paswan
Sakshi patel Pa...
Sakshi Rathour
Sakshi Rathour
Santkumar sin...
Santoshi Ratho...
Satyam Keshar
Seeta Rathour
You
Kamal
+76

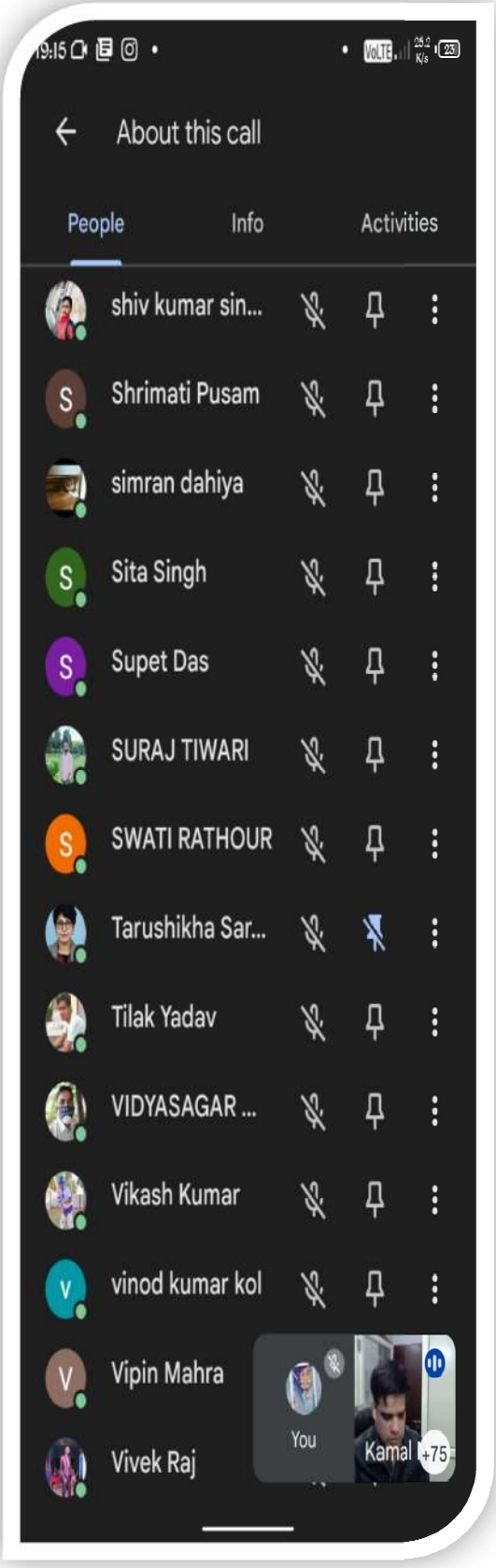
About this call
People
Info
Activities
shiv kumar sin...
Shrimati Pusam
simran dahiya
Sita Singh
Supet Das
SURAJ TIWARI
SWATI RATHOUR
Tarushikha Sar...
Tilak Yadav
VIDYASAGAR ...
Vikash Kumar
vinod kumar kol
Vipin Mahra
Vivek Raj
You
Kamal
+75

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म. प्र.)

मध्यप्रदेश उच्चशिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना (MPHEQIP)द्वारा प्रायोजित

एवं

अर्थशास्त्र इतिहास तथा समाजशास्त्र विभाग

द्वारा

संयुक्त रूप से आयोजित

अधिकार व लोकतंत्र विषय पर एक ऑनलाइन संवाद कार्यक्रम

(10 फरवरी 2023)

प्रतिवेदन

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के अर्थशास्त्र, इतिहास तथा समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अधिकार व लोकतंत्र विषय पर एक ऑनलाइन संवाद का आयोजन 10 फरवरी 2023 को किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारभ प्राचार्य डॉ. जे. के. संत के द्वारा किया गया।

अपने संदेश में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.के.संत ने कहा कि इसतरह की चर्चाओं से युवा शोधवेत्ता लाभान्वित होंगे। संवाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. कमल नयन चौबे ने कहा कि लोकतंत्र को उसकी संस्थाओं तथा लक्ष्यों के आधार पर समझ जा सकता है। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संस्थाओं में थोड़े बहुत राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद संस्थागत मजबूती बनी हुई है यद्यपि इस पर सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने की प्रवृत्ति बढ़ी है; परंतु, मूल्यों की प्राप्ति के स्तर पर अभी यह बात नहीं दिखाई देती। उन्होंने आगे कहा कि पहचान या अस्मिता की राजनीति कई बार व्यापक लक्ष्यों को पीछे रखकर छोटे-मोटे लाभ लेकर संतुष्ट हो जाती है। लोकलुभावन वाद से सत्ता के प्रति सवाल पूछने और सरकार की जवाबदेही में कमी आई है और लोगों की आज्ञा पालन की प्रवृत्ति बढ़ी है जो स्वस्थ लोकतंत्र के विकास के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की डॉ तरुशिखा सर्वेश ने कहा कि समानता एकरूपता नहीं है और लोकतंत्र में भिन्नताओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने राज्य में उभरती प्रवृत्ति का संकेत करते हुए कहा कि राज्य का दायरा सुरक्षा के संदर्भ में बढ़ रहा है; परंतु, निजी जीवन तथा स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होता है तथा तानाशाही व निरंकुश संस्थाओं की स्थापना की मांग बढ़ने लगती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सिविल सोसाइटी को आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

डी एन महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर से पीयूष त्रिपाठी ने संवाद का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि लोकतंत्र, संस्थाओं की जवाबदेही तथा समावेशन की प्रक्रिया है। लोकतंत्र के स्तर को मापने के लिए यह देखना होगा कि क्या अंतिम व्यक्ति ऊपर तक अपनी आवाज पहुंचा सकता है और प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सकता है।

इसके पूर्व प्रीति वैश्य ने अतिथियों का स्वागत किया,आगरा कॉलेज आगरा के डॉ अनूप सिंह ने वक्ताओं का परिचय दिया तथा कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक पूनम धांडे ने वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ अमित भूषण द्विवेदी ने कहा कि परिचर्चा से लोकतंत्र के बारे में हमारी समझ का विस्तार हुआ है। इस कार्यक्रम का सह-संयोजन विनोद कुमार कोल कर रहे थे।
इस मौके पर महाविद्यालय के आयोजन समिति के पदाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों यथा- इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, गोविंद बल्लभ पंत समाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद, कुमारी मायावती राजकीय कॉलेज,गौतम बुद्धनगर, साकेत महाविद्यालय अयोध्या, झांसी कॉलेज, सतना कॉलेज, सोयतकला कॉलेज से सहायक प्राध्यापक एवं शोधवेत्ता जॉइन किये। अपने पीक टाइम पर इस कार्यक्रम से 92 प्रतिभागी जॉइन किये हुए थे। इस कार्यक्रम के लिए एक घँटे का समय निर्धारित था किंतु विद्यार्थियों के सवाल-जवाब के कारण तकरीबन दो घँटे तक चला। इस कार्यक्रम के वीडियो को अर्थशास्त्र विभाग के यूट्यूब चैनल तुलसी ज्ञानधारा पर देखा जा सकता है।मीडिया द्वारा भी इस डायलॉग कार्यक्रम को पर्याप्त कवरेज किया गया ।